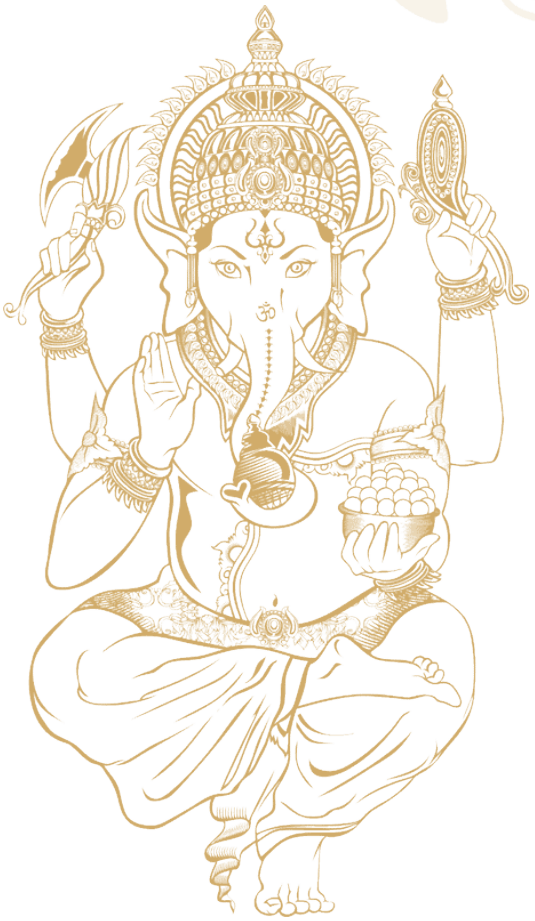

Kajal

09 Apr 1999

06:55 AM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 120896002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/04/1999**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**06:55:00 घंटे**
इष्ट	01:10:01 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:16:20 घंटे
वेलान्तर	-00:01:44 घंटे
साम्पातिक काल	19:23:46 घंटे
सूर्योदय	06:26:59 घंटे
सूर्यास्त	18:54:10 घंटे
दिनमान	12:27:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:54:51 मीन
लग्न के अंश	02:32:49 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शिव
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	02:32:49	440:44:18	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	24:54:51	00:58:58	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	24:14:27	12:18:02	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल	व		तुला	15:27:48	00:15:57	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	28:56:22	00:32:48	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
गुरु		अ	मीन	19:07:03	00:14:29	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	स्वराशि
शुक्र			वृष	02:02:31	01:10:49	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	स्वराशि
शनि			मेष	10:34:32	00:07:29	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			कर्क	26:21:34	00:00:17	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु			मक	26:21:34	00:00:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:12:25	00:02:01	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	10:18:42	00:00:55	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:27:54	00:00:50	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	25:29:56	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:36

लग्न-चलित

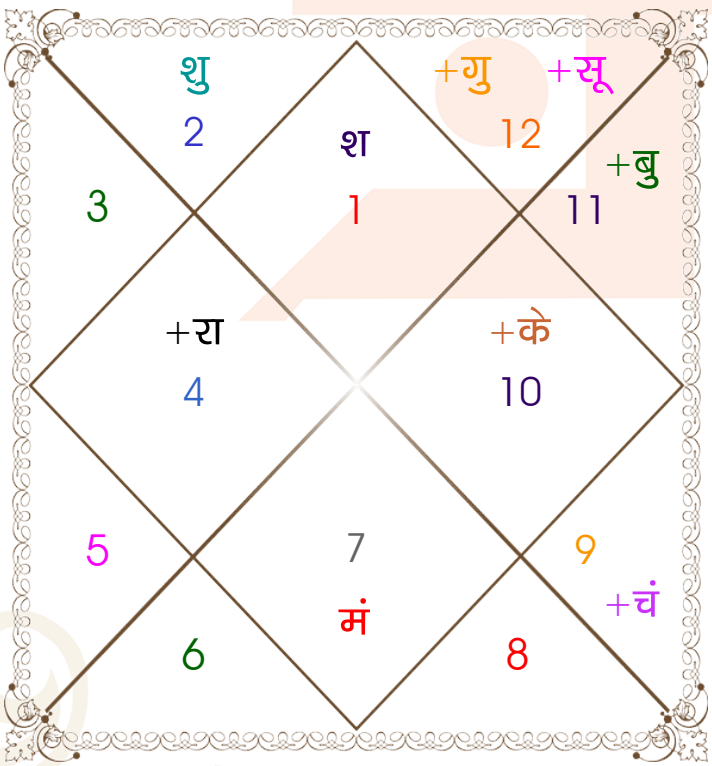

चन्द्र कुंडली

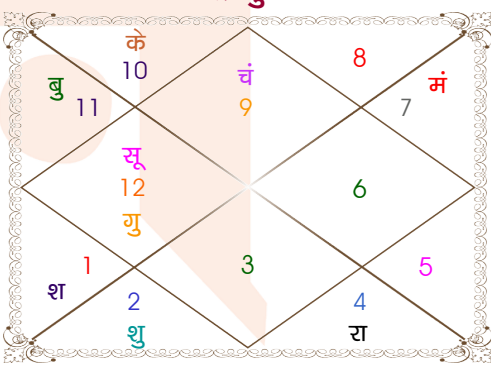

नवमांश कुंडली

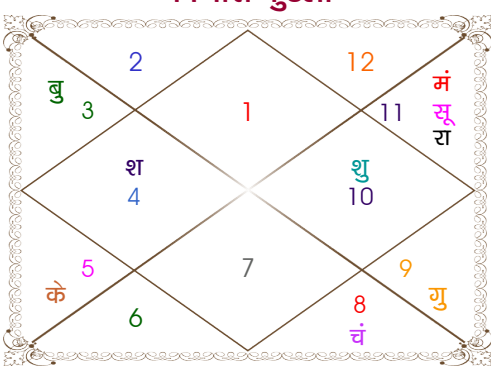

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 7 मास 20 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/04/1999		28/11/2002		27/11/2008		28/11/2018		28/11/2025	
28/11/2002		27/11/2008		28/11/2018		28/11/2025		28/11/2043	
	00/00/0000	सूर्य	17/03/2003	चंद्र	28/09/2009	मंगल	26/04/2019	राहु	10/08/2028
	00/00/0000	चंद्र	16/09/2003	मंगल	29/04/2010	राहु	13/05/2020	गुरु	03/01/2031
	00/00/0000	मंगल	22/01/2004	राहु	29/10/2011	गुरु	19/04/2021	शनि	09/11/2033
	00/00/0000	राहु	16/12/2004	गुरु	27/02/2013	शनि	29/05/2022	बुध	29/05/2036
	00/00/0000	गुरु	04/10/2005	शनि	28/09/2014	बुध	26/05/2023	केतु	16/06/2037
	00/00/0000	शनि	16/09/2006	बुध	27/02/2016	केतु	22/10/2023	शुक्र	16/06/2040
	09/04/1999	बुध	23/07/2007	केतु	27/09/2016	शुक्र	22/12/2024	सूर्य	11/05/2041
बुध	28/09/2001	केतु	28/11/2007	शुक्र	29/05/2018	सूर्य	28/04/2025	चंद्र	10/11/2042
केतु	28/11/2002	शुक्र	27/11/2008	सूर्य	28/11/2018	चंद्र	28/11/2025	मंगल	28/11/2043

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/11/2043		28/11/2059		28/11/2078		28/11/2095		29/11/2102	
28/11/2059		28/11/2078		28/11/2095		29/11/2102		00/00/0000	
गुरु	15/01/2046	शनि	01/12/2062	बुध	25/04/2081	केतु	25/04/2096	शुक्र	30/03/2106
शनि	29/07/2048	बुध	10/08/2065	केतु	23/04/2082	शुक्र	25/06/2097	सूर्य	31/03/2107
बुध	03/11/2050	केतु	19/09/2066	शुक्र	20/02/2085	सूर्य	31/10/2097	चंद्र	28/11/2108
केतु	10/10/2051	शुक्र	18/11/2069	सूर्य	28/12/2085	चंद्र	01/06/2098	मंगल	28/01/2110
शुक्र	10/06/2054	सूर्य	31/10/2070	चंद्र	29/05/2087	मंगल	28/10/2098	राहु	28/01/2113
सूर्य	30/03/2055	चंद्र	01/06/2072	मंगल	26/05/2088	राहु	16/11/2099	गुरु	29/09/2115
चंद्र	29/07/2056	मंगल	11/07/2073	राहु	13/12/2090	गुरु	23/10/2100	शनि	29/11/2118
मंगल	04/07/2057	राहु	16/05/2076	गुरु	20/03/2093	शनि	02/12/2101	बुध	10/04/2119
राहु	28/11/2059	गुरु	28/11/2078	शनि	28/11/2095	बुध	29/11/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी है। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति है। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते है। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।